

## **Resource: Gateway Literal Text (Hindi)**

### **License Information**

**Gateway Literal Text (Hindi)** (Hindi) is based on: Gateway Literal Text (Hindi), [unfoldingWord](#), 2023, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

## Gateway Literal Text (Hindi)

### 3 John 1:1

<sup>1</sup> प्राचीन, प्रिय गयुस को, जिससे मैं सच्चा प्रेम करता हूँ।

<sup>2</sup> हे प्रिय, मैं प्रार्थना करता हूँ: कि जैसे तू आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे, और भला चंगा रहे।

<sup>3</sup> क्योंकि मैं बहुत आनन्दित हुआ, जब भाई आए और तेरे सत्य की गवाही दी, जैसे तू सत्य पर चल रहा है।

<sup>4</sup> मुझे इससे बढ़कर और कोई आनन्द नहीं, कि मैं सुनूँ कि मेरे बच्चे सत्य पर चल रहे हैं।

<sup>5</sup> हे प्रिय, तू विश्वासयोग्य कार्य कर रहा है जब कभी भी तू भाइयों के लिए काम करता है, और अजनबियों के लिए भी।

<sup>6</sup> उन्होंने कलीसिया के सामने तेरे प्रेम की गवाही दी थी। तू उन्हें उनकी यात्रा पर भली प्रकार से ऐसे विदा करना जैसे परमेश्वर के योग्य है,

<sup>7</sup> क्योंकि वे उस नाम के लिये निकले हैं, और अन्यजातियों से कुछ नहीं लेते।

<sup>8</sup> इसलिए हमें ऐसों का स्वागत करना चाहिए, जिससे हम सत्य के लिए सहकर्मि हों।

<sup>9</sup> मैंने कलीसिया को कुछ लिखा था; पर दियुत्रिफेस जो उनमें सबसे बड़ा बनना चाहता है, हमें ग्रहण नहीं करता।

<sup>10</sup> इस कारण से, जब भी मैं आऊँगा, तो उसके कामों की जो वह कर रहा है, सुधि दिलाऊँगा, दुष्ट बातों से हम पर दोष

लगाता है; और इस पर भी सन्तोष न करके, भाइयों को ग्रहण नहीं करता, और जो ऐसा करना चाहते हैं, वह उन्हें रोकता और कलीसिया से निकाल देता है।

<sup>11</sup> हे प्रिय, बुराई के नहीं, पर भलाई के अनुयायी हो। जो भलाई करता है, वह परमेश्वर की ओर से है; पर जो बुराई करता है, उसने परमेश्वर को नहीं देखा।

<sup>12</sup> दिमेत्रियुस की सब के द्वारा, और स्वयं सत्य के द्वारा भी गवाही दी गई: और हम भी गवाही देते हैं, और तू जानता है, कि हमारी गवाही सच्ची है।

<sup>13</sup> मेरे पास तुझे लिखने को बहुत कुछ है; पर मैं तुझे स्याही और कलम से लिखना नहीं चाहता।

<sup>14</sup> पर मुझे आशा है कि तुझ से शीघ्र भेंट करूँगा: और हम मुँह से मुँह बात करेंगे:

<sup>15</sup> तुझे शान्ति मिलती रहे। मित्र तुझे नमस्कार करते हैं। मित्रों के नाम लेकर नमस्कार कर।